शौचालय के विकल्प

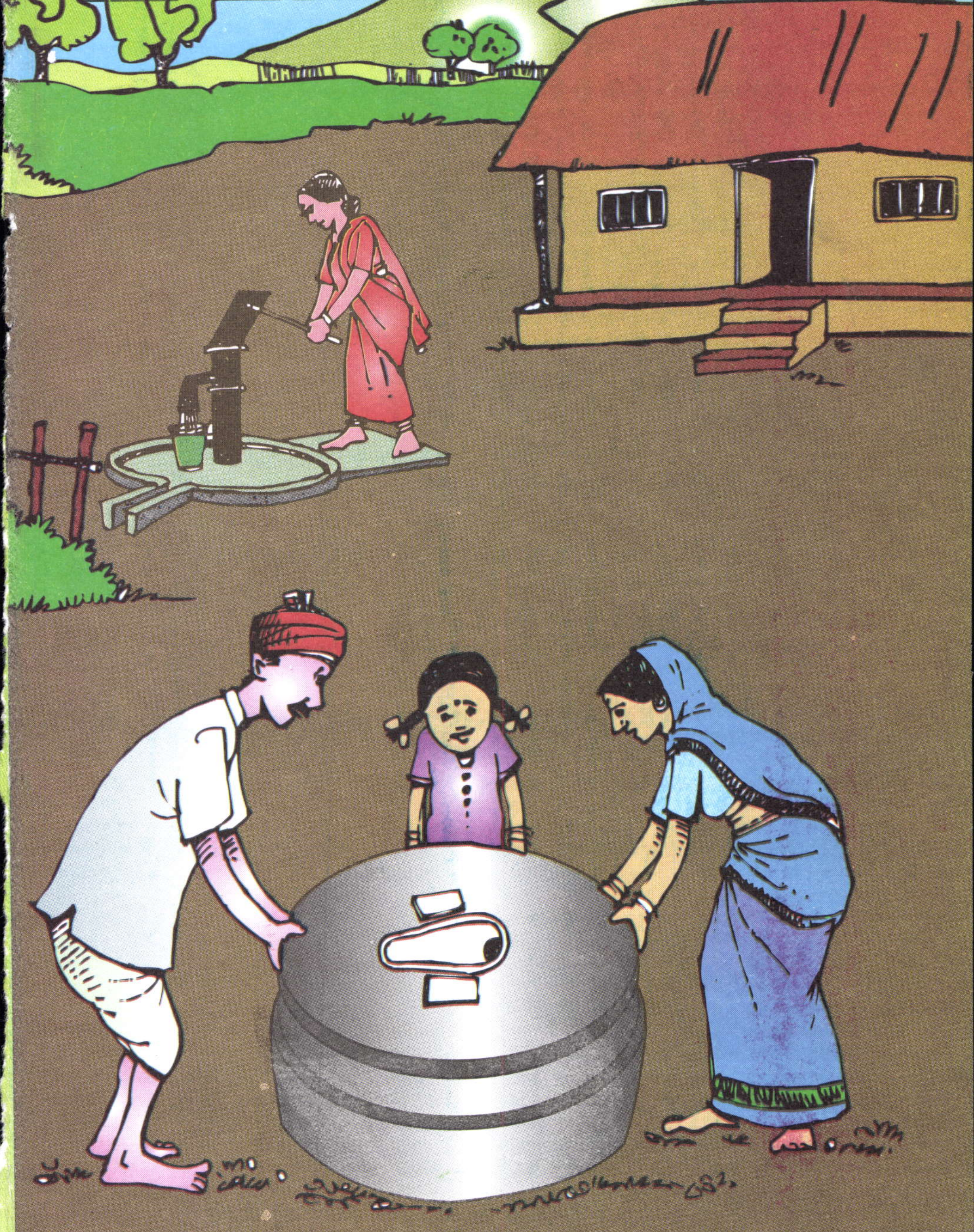

बिहार सरकार
लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग
बिहार, पटना

बिहार राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन
बिहार, पटना

850/-

मॉडल एक

गड्ढ़ा करना	30.00 रु०
ईंट की जालीदार चोड़ाई	405.00 रु०
गोल चबूतरा	225.00 रु०
पैन जलबंद के साथ	190.00 रु०
कुल	850.00 रु०

905/-

मॉडल दो

- सर्वप्रथम 3 फीट गहरा एवं 3 फीट चौड़ा दो गड्ढा किया जाता है।
- गड्ढे में चारों रिंग डाल दिया जाता है।
- रिंग के चारों ओर मिट्टी इस तरह से चढ़ाया जात है जिससे आस-पास पानी का जमाव न हो
- रिंग के ऊपर गोल चबूतरा (जलबंद लगा पैन के साथ) बैठाकर चबूतरा और रिंग को सीमेंट से जोड़ दिया जता है।
- चबूतरा पर पौदान लगा दिया जाता है।

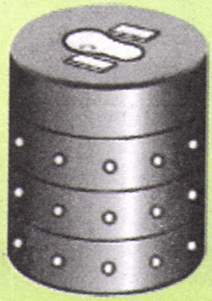

लाभार्थी द्वारा शौचालय का पर्दा अपनी सामर्थ्य के अनुसार बनाया जाता है।

सामग्रियों की मूल्य तालिका

गड्ढा करना		=	30.00 रु०
रिंग (4 पीस)	– 115 × 4	=	460.00 रु०
गोल चबूतरा		=	225.00 रु०
पैन जलबंद के साथ		=	190.00 रु०
		कुल -	905.00 रु०

लाभार्थी रिंग के स्थान पर ईंट की जालीदार जोड़ाई भी करा सकता है। ईंट की जालीदार जोड़ाई का खर्च 405 रु० आता है। ईंट की जालीदार जोड़ाई करके शौचालय बनाने का कुल कीमत 850 रु० होगा।

रिंग

1645/-

मॉडल तीन

इस मॉडल में शौच के लिए बैठने की जगह एवं गड्ढा दोनों अलग-अलग होता है।

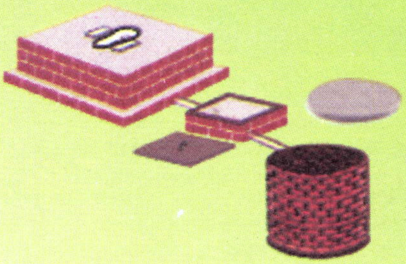

गड्ढ़ा करना	30.00 रु०
ईंट की जालीदार चोड़ाई	405.00 रु०
ढक्कन	165.00 रु०
पैन जलबंद के साथ	190.00 रु०
ईंट की जोड़ाई से बना चबूतरा और जंक्शन (पाईप के साथ)	855.00 रु०
कुल	1645.00 रु०

1700/-

मॉडल चार

इस मॉडल में शौच के लिए बैठने की जगह एवं गड्ढा दोनों अलग-अलग होता है।

- सर्वप्रथम 3 फीट गहरा एवं 3 फीट चौड़ा दो गड्ढा किया जाता है।
- गड्ढे से कुछ दूरी पर ईंट की जोड़ाई करके उसके ऊपर जलबंद लगा हुआ पैन रख दिया जाता है।
- ईंटों की जोड़ाई कर एक चैम्बर (जाँच बॉक्स) का निर्माण किया जाता है और जाँच बॉक्स से दो पाईप निकाला जाता है।
- जाँच बॉक्स को ढक्कन से ढक दिया जाता है।
- जाँच बॉक्स से निकाला गया एक पाईप बंद कर दिया जाता है और एक पाईप गड्ढे में ले जाया जाता है।
- गड्ढ़ो में 4 रिंग डाला जाता है और रिंग को सीमेंट से बने ढक्कन से ढक दिया जाता है।
- जलबंद और जाँच बॉक्स को पाईप से जोड़ दिया जाता है।

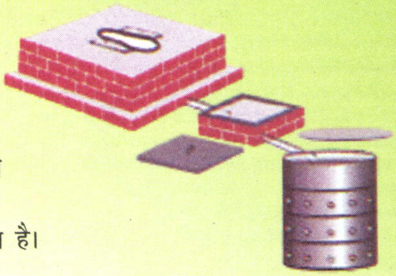

लाभार्थी द्वारा शौचालय का पर्दा अपनी सामर्थ्य के अनुसार बनाया जाता है।

सामग्रियों की मूल्य तालिका

गड्ढा करना		=	30.00 रु०
रिंग (4 पीस)	– 115 × 4	=	460.00 रु०
पिट कवर		=	165.00 रु०
पैन जलबंद के साथ		=	190.00 रु०
ईंटों की जोड़ाई से बना चबूतरा और जंक्शन (पाईप के साथ)		=	855.00 रु०
		कुल –	1700.00 रु०

लाभार्थी रिंग के स्थान पर ईंट की जालीदार जोड़ाई भी करा सकता है। ईंट की जालीदार जोड़ाई का खर्च 405 रु० आता है। ईंट की जालीदार जोड़ाई करके शौचालय बनाने का कुल कीमत 1645 रु० होगा।

2325/-

मॉडल पाँच

इस मॉडल में शौच के लिए बैठने की जगह एवं गड्ढा दोनों अलग-अलग होता है।

- सर्वप्रथम 3 फीट गहरा एवं 3 फीट चौड़ा दो गड्ढा किया जाता है।
- गड्ढे से कुछ दूरी पर ईंट की जोड़ाई करके उसके ऊपर जलबंद लगा हुआ पैन रख दिया जाता है।
- ईंटों कि जोड़ाई कर एक चैम्बर (जाँच बॉक्स) का निर्माण किया जाता है और जाँच बॉक्स से दो पाईप निकाला जाता है।
- एक समय में एक ही पाईप खुला होता है और दूसरा पाईप बंद कर दिया जाता है।
- जाँच बॉक्स को ढक्कन से ढक दिया जाता है।
- जाँच बॉक्स से निकाला गया दानों पाईपों को गड्ढों में ले जाया जाता है।
- गड्ढ़ो में 4-4 रिंग डाला जाता है और गड्ढों को सीमेंट से बने ढक्कन से ढक दिया जाता है।
- जलबंद और जाँच बॉक्स को पाईप से जोड़ दिया जाता है।

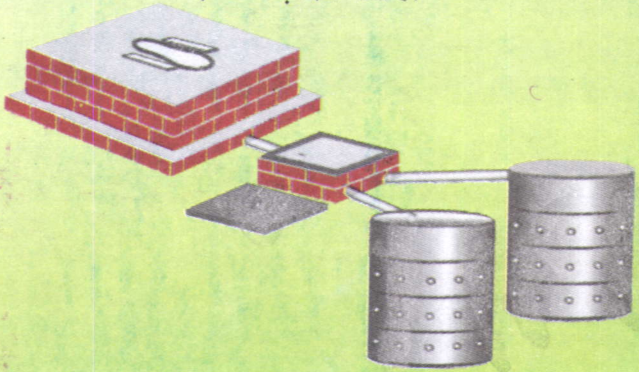

लाभार्थी द्वारा शौचालय का पर्दा अपनी सामर्थ्य के अनुसार बनाया जाता है।

सामग्रियों की मूल्य तालिका

गड्ढा करना		=	30.00 रु०
रिंग (8 पीस)	– 115 × 8	=	920.00 रु०
गड्ढे का ढक्कन	– 165 × 2	=	330.00 रु०
पैन जलबंद के साथ		=	190.00 रु०
ईटों की जोड़ाई से बना चबूतरा और जंक्शन (पाईप के साथ)		=	855.00 रु०
		कुल -	2325.00 रु०

पैन जलबंद के साथ

इस मॉडल में शौच के लिए बैठने की जगह एवं गड्ढा दोनों अलग-अलग होता है।

- सर्वप्रथम 3 फीट गहरा एवं 3 फीट चौड़ा दो गड्ढा किया जाता है।
- गड्ढे से कुछ दूरी पर ईंट की जोड़ाई करके उसके ऊपर जलबंद लगा हुआ पैन रख दिया जाता है।
- ईंटों कि जोड़ाई कर एक चैम्बर (जाँच बॉक्स) का निर्माण किया जाता और जाँच बॉक्स से दो पाईप निकाला जाता है। जाँच बॉक्स को ढक्कन से ढक दिया जाता है।
- जाँच बॉक्स से निकाले गये दोनों पाईपों को गड्ढों में ले जाया जाता है।
- एक समय में एक ही पाईप खुला होता है और दूसरा पाईप बंद कर दिया जाता है।
- गड्ढ़ो में 4-4 रिंग डाला जाता है और गड्ढों को सीमेंट से बने ढक्कन से ढक दिया जाता है।
- जलबंद और जाँच बॉक्स को पाईप से जोड़ दिया जाता है।
- शौचालय का पक्का घर बनाने हेतु ईंट की जोड़ाई की जाती है एवं दरवाजा लगाया जाता है।

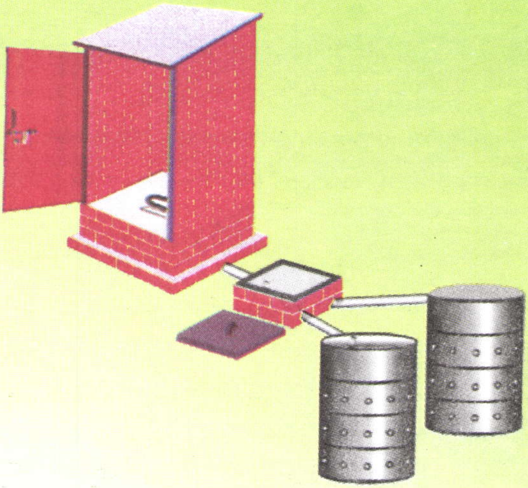

सामग्रियों की मूल्य तालिका

गड्ढा करना			=	30.00 रु०
रिंग (8 पीस)	–	115 × 8	=	920.00 रु०
गड्ढे का ढक्कन	–	165 × 2	=	330.00 रु०
पैन जलबंद के साथ			=	190.00 रु०
ईंटों की जोड़ाई से बना चबूतरा और जंक्शन (पाईप के साथ)			=	855.00 रु०
ऊपरी ढाँचा (छत/पर्दा) का निर्माण			=	2,185.00 रु०
			कुल –	4510.00 रु०

घर में शौचालय होने से लाभ

- महिलाओं एवं किशोरियों को शौच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता।
- प्रतिष्ठा में वृद्धि।
- बरसात व अंधेरा में परेशानी नहीं होना।
- समय की बचत एवं इसका सदुपयोग।
- अप्रिय घटना की आशंका में कमी।
- घर की इज्जत घर में।
- बीमार व्यक्ति की परेशानी में कमी।
- बीमारियों के उत्पन्न होने की संभावना में कमी।
- इच्छा अनुसार शौचालय के उपयोग से अन्य बीमारी के खतरे में कमी।

शौचालय का रख-रखाव

- शौच जाने के पहले पैन को पानी से भिंगा लें । पैन में शौच चिपकेगा नहीं ।
- शौचालय का व्यवहार करने के बाद 2 लीटर पानी तेजी से पैन में डालें कि मल जलबंद में दिखे नहीं।
- पौदान पर पैर जमाकर बैठना चाहिए और शौच करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि शौच पैन में ही गिरे
- दिन में एक बार पैन को ब्रश या झाड़ू से अवश्य साफ करें।
- सप्ताह में दो बार शौचालय की सफाई विशेष रूप से करें।
- शौचालय का दरवाजा हमेशा बन्द रखें जिससे बच्चे उसमें कोई ठोस या बेकार वस्तु न फेंक दें या कोई गन्दगी पैन में न चला जाए। पैन में पत्थर, प्लास्टिक, पॉलिथीन, कपड़ा या झाड़ू का टुकड़ा नहीं फेकना चाहिए।
- दो गड्ढे वाले शौचालय में एक गड्ढा भर जाने के बाद हीं दूसरे गड्ढे को उपयोग में लायें। भरे हुए गड्ढे को 1½ वर्षों के बाद खाली कर सकते हैं एवं उस अवशेष का उपयोग खाद के रूप में कर सकते हैं।
- शौचालय जाम होने पर जंक्शन बॉक्स के ढक्कन को उठाकर बाँस से पाईप की सफाई करें।
- शौचालय के सामने पानी की व्यवस्था रखें।

सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान का उद्देश्य

- ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के सामान्य जीवन स्तर को बेहतर बनाना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के कामों में तेजी लाना।
- जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से लोगों में स्वच्छता सुविधा की माँग उत्पन्न करना।
- ग्रामीण विद्यालय/आँगनबाड़ी में स्वच्छता सुविधा मुहैया कराना और छात्रों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा और व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना।
- स्वच्छता क्षेत्र में कम लागत और सही तकनीक को बढ़ावा देना।
- खुले में शौच को बंद कराना जिससे कि पीने के पानी और भोजन को दूषित होने से बचाया जा सके।

मल से बीमारियाँ कैसे फैलती है

हमारे असावधानी के कारण मल हमारे मुँह में विभिन्न रास्ते से होते हुए पहुँचता है और हमें बीमार करता है। मक्खी खुले भोजन पर बैठकरभोजन को दूषित करती है, खुले में शौच करने से, खुले पानी के स्रोत शौच से दूषित होते हैं। अगर हम शौच के बाद सिर्फ मिट्टी या पानी से हाथ धोते हैं और उसी हाथ से खाना खाते हैं तो खाना दूषित होता है और दूषित भोजन हमें बिमार कर देता है। फल, सब्जी को बिना धोए खाने से मल हमारे मुँह तक पहुँचता है। नाखून बढ़ाने से या गंदा रखने से मल हमारे मुँह तक पहुँचता है।

शुद्ध पेय जल का रख-रखाव व व्यवहार

बेकार पानी की सही निकासी

मानव मल का सुरक्षित निपटान

कुड़े एवं गोबर का सुरक्षित निपटारा

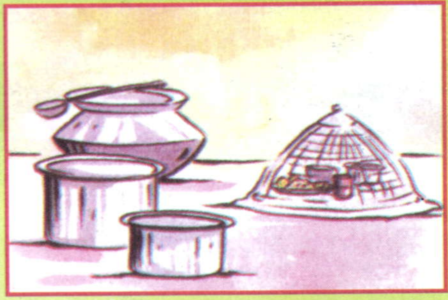

घर एवं खान-पान की स्वच्छता

व्यक्तिगत स्वच्छता

सामुदायिक स्वच्छता या गाँव की स्वच्छता

श्री ENTERPRISES
9431493602